भाकृअनुप - भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान

समाचार-पत्र

VOL 6 | ISSUE 2 जुलाई – दिसम्बर, 2020

अनुसंधान उपलब्धियां

आशाजनक प्रौद्योगिकियां

चिन्हित एवं अधिसूचित की गईं संकर किस्में

भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित की गईं चार संकर किस्मों को दिनांक 10 जुलाई, 2020 को आयोजित फसल मानक, अधिसूचना एवं कृषि फसलों की किस्मीय निर्मुक्ति पर केन्द्रीय उप-समिति द्वारा 84वीं बैठक में खेती प्रयोजन के लिए जारी एवं अधिसूचित किया गया।

भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान द्वारा जारी की गईं संकर किस्में

क्र. सं.	संकर किस्म का नाम	कॉर्न अथवा मक्का का प्रकार	उपज (टन/हे.)	खेती सीजन	परिपक्वता समूह	बढ़वार पारिस्थितिकी
1	आईएमएचक्यूपीएम 1530	क्यूपीएम	8.5	खरीफ	अगेती	पूर्वोत्तर पर्वतीय क्षेत्र
2	डीएमआरएचबी 1305	बेबीकॉर्न	1.3#	खरीफ	अगेती	पूर्वोत्तर पर्वतीय क्षेत्र
3	आईएमएचपी 1540	पॉप कॉर्न	3.0*	खरीफ	अगेती	पूर्वोत्तर मैदानी क्षेत्र, प्रायद्वीपीय क्षेत्र तथा मध्य पश्चिमी क्षेत्र
4	आईएमएचपी 1535	पॉप कार्न	2.7*	खरीफ	अगेती	मध्य पश्चिमी क्षेत्र

बिना छिला बेबीकॉर्न; * पॉपकॉर्न

इसके अलावा संस्थान द्वारा विकसित दो जैव-संवर्धित संकर किस्मों नामत: आईक्यूपीएमएच 1601 एवं आईक्यूपीएमएच 1705 को विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया।

क्र. सं.	संकर किस्म	मक्का का प्रकार	उपज (टन/हे.)	खेती सीजन	परिपक्वता समूह	बढ़वार पारिस्थितिकी
1	आईक्यूपीएमच 1601	क्यूपीएम	7.2	खरीफ	मध्यम	पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड़
2	आईक्यूपीएमच 1705	क्यूपीएम	6.3	खरीफ	मध्यम	राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश

जननद्रव्य का लक्षणवर्णन

अनुक्रमण द्वारा जीनोटाइप (GBS) के माध्यम से पहचाने गए 60227 एसएनपी का उपयोग करते हुए मक्का के 350 विविध अंत: प्रजात वंशक्रमों के एक सम्बद्ध मानचित्रण पैनल (AMP) का लक्षणवर्णन किया गया। पापुलेशन की संरचना का अध्ययन किया गया और सम्बद्ध मानचित्रण पैनल (AMP) में छ: संभावित उप-संरचनाओं की पहचान की गई। प्रत्येक उप-समूह एक दूसरे से भिन्न था और GWAS के लिए इस पर विचार किया जा सकता है।

एमाइलोज अनुमान के लिए त्वरित एकल दाना विधि का विकास

मक्का दाने में एमाइलोज की मात्रा का अनुमान लगाने के लिए एक त्वरित स्क्रीनिंग जांच की डिजाइन तैयार की गई जो कि एमाइलोज – आयोडिन कॉम्पलेक्स गठन के सिद्धान्त पर आधारित है। इस विधि में एकल दाने का उपयोग किया जाता है इसलिए इसका नाम कट ग्रैन डिप विधि (CGD) रखा गया है। इसमें महंगे रीजेन्ट्स का उपयोग नहीं किया जाता है ओर इसमें समय भी अधिक नहीं लगता इसलिए यह मक्का जननद्रव्य के बड़े सेट की आयोडिन को अपने अधिकतम रंग तक पहुंचने में लगे समय में एमाइलोज मात्रा (AC) का प्रतिलोम संबंध था। एमाइलोज की भिन्न मात्रा के साथ मक्का नमूनों के बड़े सेट में इस विधि को प्रमाणित किया गया।

मक्का में रूपांतरण विधि का मानकीकरण

नोडल कर्तोतक से उत्पन्न कैलाई में एक पुनर्जनन योग्य *स्व: पात्रे* पुनरुत्पादन विधि का विकास किया गया। बीटा-ग्लूकुरोनिडेज (GUS) प्रोटीन के साथ बायोलिस्टिक एवं एग्रोबैक्टीरियम मध्यस्थ रूपांतरण विधियों का उपयोग करके रूपांतरण प्रोटोकॉल के मानकीकरण का कार्य प्रगति पर है। ऊतक रसायन एवं पीसीआर विश्लेषण से रूपांतरित ऊतकों में जीयूएस गतिविधि की मौजूदगी का पता लगाया गया।

अल्प नाइट्रोजन तनाव के तहत प्रमुख भिन्नात्मक प्रकटित जीनों (DEGs) का प्रमाणन

प्रतिकूल अंत: प्रजात वंशक्रमों यथा डीएमआई 56 (नाइट्रोजन तनाव के प्रति सहिष्णु) तथा डीएमआई 81 (नाइट्रोजन तनाव के प्रति संवेदनशील) से पत्ती और जड़ ऊतकों का उपयोग करके ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण के माध्यम से पहले पहचाने गए प्रमुख भिन्नात्मक प्रकटित जीनों का प्रमाणन qPCR द्वारा किया गया। जीनों यथा Asn4, HAT2.3, NRP1, बेसिक इन्डोकाइटीनेज, AAP3, GT31, MYB36 ट्रांसक्रिप्शन कारक, AP2-EREBP ट्रांसक्रिप्शन कारक तथा नाइट्रेट ट्रांसपोर्ट 1 की पहचान नाइट्रोजन तनाव की प्रतिक्रिया में भिन्नात्मक प्रकटन के रूप में की गई ।

भारत में गंगा के मैदानी क्षेत्रों में अनाज आधारित प्रणालियों में प्रेसीजन संरक्षित कृषि रीतियों का विकास

चावल – गेहूं फसलचक्र प्रणाली की तुलना में संरक्षित कृषि आधारित मक्का – गेहूं फसलचक्र प्रणाली के अंतर्गत उल्लेखनीय रूप से कहीं अधिक प्रणाली उत्पादकता दर्ज की गई। पारम्परिक मक्का – गेहूं – मूंग और चावल – गेहूं – मूंग फसलचक्र प्रणालियों की तुलना में ग्रीन सीकर (GS) सेंसर आधारित पोषक तत्व प्रबंधन वाली संरक्षित कृषि आधारित मक्का – गेहूं – मूंग फसलचक्र प्रणाली के तहत अधिकतम शुद्ध लाभ और लाभ : लागत अनुपात पाया गया।

मक्का एवं विशिष्ट मक्का में विभिन्न जैविक पोषक तत्व स्रोतों का अध्ययन

जैविक उपचारों में बेबीकॉर्न, स्वीट कॉर्न तथा सामान्य मक्का की उपज को परीक्षण के चौथे वर्ष में उर्वरकों की संस्तुत मात्रा के समतुल्य पाया गया।

पारम्परिक तथा संरक्षित कृषि रीतियों के अंतर्गत मक्का आधारित फसलचक्र प्रणाली में सेंसर निर्देशित नाइट्रोजन प्रबंधन

पचास प्रतिशत अनुशंसित उर्वरक मात्रा (आरडीएन) + जीएस आधारित नाइट्रोजन अनुप्रयोग के साथ संरक्षित कृषि के तहत अपशिष्ट को बनाये रखते हुए मक्का – गेहूं – मूंग फसलचक्र प्रणाली को अपनाकर उल्लेखनीय रूप से उच्च प्रणाली उपज, शुद्ध लाभ और नाइट्रोजन की आंशिक कारक उत्पादकता हासिल की जा सकती है।

टर्सिकम पत्ती अंगमारी में विविधता

कुल नौ राज्यों यथा मेघालय, उत्तराखण्ड़, हिमाचल प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, ओडिशा, गुजरात, मध्य प्रदेश, जम्मू व कश्मीर तथा मेघालय से कुल 45 पृथक्कों को संकलित किया गया ताकि *टर्सिकम* पत्ती अंगमारी रोगजनक, *सिटोस्फीरिया टर्सिका* की विविधता का अध्ययन किया जा सके।

मक्का – गुलाबी तना वेधक (PSB) पारस्परिकता

विभिन्न उपचारों को आजमाते हुए उत्प्रेरित सुरक्षा प्रतिक्रिया का अध्ययन किया गया। दो अवस्थाओं (अंकुरण के 5 एवं 15 दिन बाद) में प्रतिरोधी, मध्यम प्रतिरोधी तथा संवेदनशील जीनप्ररूपों में किए गए उपचारों में कट्रोल यथा अनुपचारित पौधे, पीएसबी फीडिंग, मैकेनिकल वाउण्डिंग, मैकेनिकल वाउण्डिंग एवं पीएसबी पुनरूत्थान तथा मिथाइल जैस्मोनेट का बहिर्जात अनुप्रयोग करना शामिल था। अंकुरण के 5 तथा 15 दिन बाद लघु एवं दीर्घावधि प्रतिक्रियाओं में संवेदनशील जीनप्ररूपों की तुलना में विशेषकर प्रतिरोधी और मध्यम प्रतिरोधी जीनप्ररूपों में अधिकांश मामलों में कीटों के हमले के बाद p-कॉमेरिक अम्ल (p-CA) तथा फेरूलिक (FA) स्वाभाविक रूप से कहीं ज्यादा पाए गये ।

प्रमुख आयोजन

स्वतंत्रता दिवस समारोह

संस्थान मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केन्द्रों पर 74वां स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लाडोवाल फार्म, लुधियाना तथा इसके क्षेत्रीय केन्द्रों पर राष्ट्र-ध्वज फहराया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

गांधी जयंती समारोह/गांधी उल्लास सप्ताह

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में संस्थान में दिनांक 26 सितम्बर से 2 अक्तूबर, 2020 की अवधि के दौरान गांधी उल्लास सप्ताह मनाया गया। इस दौरान, अनेक गतिविधियां जैसे कि गांधी जी की आत्मकथा "माई एक्सपेरीमेन्ट विद ट्रूथ" की समीक्षा की गई तथा गांधीजी के दर्शन शास्त्र और नए भारत के निर्माण में उनके विजन पर आधारित चित्रकला, वाद-विवाद तथा प्रश्न मंच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डॉ. सुजय रक्षित, निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान ने "महात्मा गांधी का जीवन एवं उनका दर्शन-शास्त्र" विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उल्लास सप्ताह के समापन दिवस पर लाडोवाल फार्म पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।

संविधान दिवस

वर्ष 2020 को भारतीय संविधान के 70वें वर्ष के रूप में अंकित किया गया है। इस संबंध में एक विशेष व्याख्यान माला का आयोजन किया गया जिसके तहत विभिन्न विषयों यथा

चित्र : स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोह

"संविधान : भारत की आत्मा (Constitution: The Spirit of India)" विषय पर दिनांक 10 अक्तूबर, 2020 को प्रो. अरूण तिवारी, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, लेखक एवं वक्ता द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया; दिनांक 30 अक्तूबर, 2020 को प्रो. गुरप्रीत महाजन, सेन्टर फॉर पॉलीटिक्स स्टडीज, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा "भारतीय संविधान : लोकतंत्र का निर्माण (Indian Constitution: The Making of a Democracy)" विषय पर और दिनांक 26 नवम्बर, 2020 को प्रो. अशोक आचार्य, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "हम लोग @70 : संवैधानिक लोकतंत्र का पुनरावलोकन एवं संभावना (We the People@70: Constitutional Democracy in Retrospect and Prospect)" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। इन विशेष व्याख्यानों की प्रस्तुति के समय संस्थान एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान केन्द्रों के स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। सभी व्याख्यानों का सीधा प्रसारण संस्थान के फेसबुक पेज पर किया गया। दिनांक 26 नवम्बर, 2020 को भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केन्द्रों पर संविधान दिवस मनाया गया। यूट्यूब के माध्यम से संस्थान के स्टाफ सदस्यों ने भारत के माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा संविधान की प्रस्तावना को पढ़ने के साथ साथ इसे दोहराया गया ।

चित्र : संविधान दिवस के दौरान व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्रो. अरूण तिवारी आलासिंह एवं प्रो. गुरप्रीत महाजन

महिला किसान दिवस

संस्थान द्वारा दिनांक 15 अक्तूबर, 2020 को महिला किसानों के बीच महिला किसान दिवस मनाया गया। इस प्रयोजन हेतु पंजाब के होशियारपुर जिले के गांव गढ़ी मन्सोवाल में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लगभग 30 महिला किसानों ने भाग लिया। महिला किसानों को विशिष्ट मक्का की खेती करने के लाभ, फसलों व दूध में मूल्य वर्धन पहलुओं, पराली जलाने के नुकसान, स्वयं सहायता समूह तथा एफपीओ का गठन आदि के बारे में जागरूक किया गया।

चित्र : महिला किसान दिवस के दौरान किसानों से बातचीत करते हुए संस्थान के वैज्ञानिक

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

संस्थान में दिनांक 27 अक्तूबर से 2 नवम्बर, 2020 की अवधि के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। उद्घाटन दिवस के अवसर पर स्टाफ सदस्यों ने ईमानदारी के उच्चतम मानकों का अनुपालन करने की सत्यनिष्ठा शपथ ली। श्री विनोद राय, पूर्व नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, भारत सरकार ने दिनांक 2 नवम्बर, 2020 को संस्थान एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के स्टाफ सदस्यों के समक्ष "वैज्ञानिक संस्थानों के विशेष संदर्भ में सार्वजनिक जीवन में सत्यनिष्ठा और ईमानदारी को प्रोत्साहित करना" विषय पर एक विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। संस्थान में आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान प्रश्न मंच एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

चित्र : श्री विनोद राय, पूर्व नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, भारत सरकार, सतर्कता जागरूकता पर एक विशेष व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए

राष्ट्रीय एकता दिवस

भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान के मुख्यालय तथा इसके क्षेत्रीय केन्द्रों पर दिनांक 31 अक्तूबर, 2020 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. सुजय रक्षित, ने स्वतंत्र भारत की राष्ट्रीय अखण्डता के शिल्पकार सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में स्टाफ सदस्यों को शपथ दिलाई।

विश्व मृदा दिवस

दिनांक 5 दिसम्बर, 2020 को भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान के मुख्यालय तथा इसके क्षेत्रीय केन्द्रों पर विश्व मृदा दिवस मनाया गया। किसानों को विश्व मृदा दिवस की उत्पत्ति और राष्ट्र की खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने में इसके महत्व के बारे में जागरूक किया गया। वर्ष 2020 के लिए थीम "मृदा को जीवित बनाये रखें, मृदा जैव विविधता को बचाये रखें (Keep soil alive, Protect, Soil biodiversity)" के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी गई। किसानों को उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक एवं अनुचित उपयोग के कारण होने वाले अपघटन से मृदा को बचाने की सलाह दी गई और स्वस्थ पारिस्थिति प्रणाली और मानव कल्याण को बनाये रखने में मृदा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मृदा तथा स्वास्थ्य से जुड़े स्लोगन भी प्रदर्शित किए गए।

स्वच्छता पखवाडा अभियान

भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान मुख्यालय तथा इसके क्षेत्रीय केन्द्रों पर दिनांक 16 से 31 दिसम्बर, 2020 की अवधि के दौरान **'स्वच्छता पखवाड़ा'** मनाया गया। इस अवसर पर, संस्थान के निदेशक महोदय डॉ. सुजय रक्षित ने संस्थान द्वारा चलाई जाने वाली गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी और स्टाफ सदस्यों को 'स्वच्छता शपथ' दिलाई। उन्होंने प्रत्येक स्टाफ सदस्य से स्वच्छ भारत अभियान का हिस्सा बनने और इस मिशन में योगदान करने का अनुरोध किया। पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की गईं जैसे कि कार्यालय परिसर को साफ किया गया, ऑफ-कैम्पस स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा ग्रामीणों और स्टाफ सदस्यों के बीच स्वच्छता संदेश का प्रसार करने हेतु जागरूकता अभियान चलायाफाउण्डेशन द्वारा 'स्वच्छ भारत' विषय पर एक ऑन-लाइन विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। श्री पंकज मॉल ने स्वच्छ भारत की भावना को प्रोत्साहित करने के कार्य में क्रास कण्ट्री साइकिल यात्रा के अपने अनुभव साझा किए। इस अवधि के दौरान अनेक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। दिनांक 20 दिसम्बर, 2020 को श्री पंकज मॉल, सीईओ, अस्तित्व सोशल मीडिया हैन्डल्स जैसे ट्विटर, फेसबुक

चित्र : विश्व मृदा दिवस की झलकियां

तथा संस्थान की वेबसाइट के माध्यम से स्वच्छ भारत पर जागरूकता संदेश सृजित किए गए। कोविड -19 महामारी को रोकने हेतु सफाई एवं स्वच्छता बनाये रखने पर विशेष बल दिया गया और मास्क पहनकर, फिजिकल दूरी को बनाये रखकर तथा हाथ की सफाई रखकर कोविड-19 के विरूद्ध लड़ाई को जारी रखने के प्रति प्रोत्साहित किया गया।

चित्र : भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान के स्टाफ सदस्य स्वच्छता शपथ लेते हुए

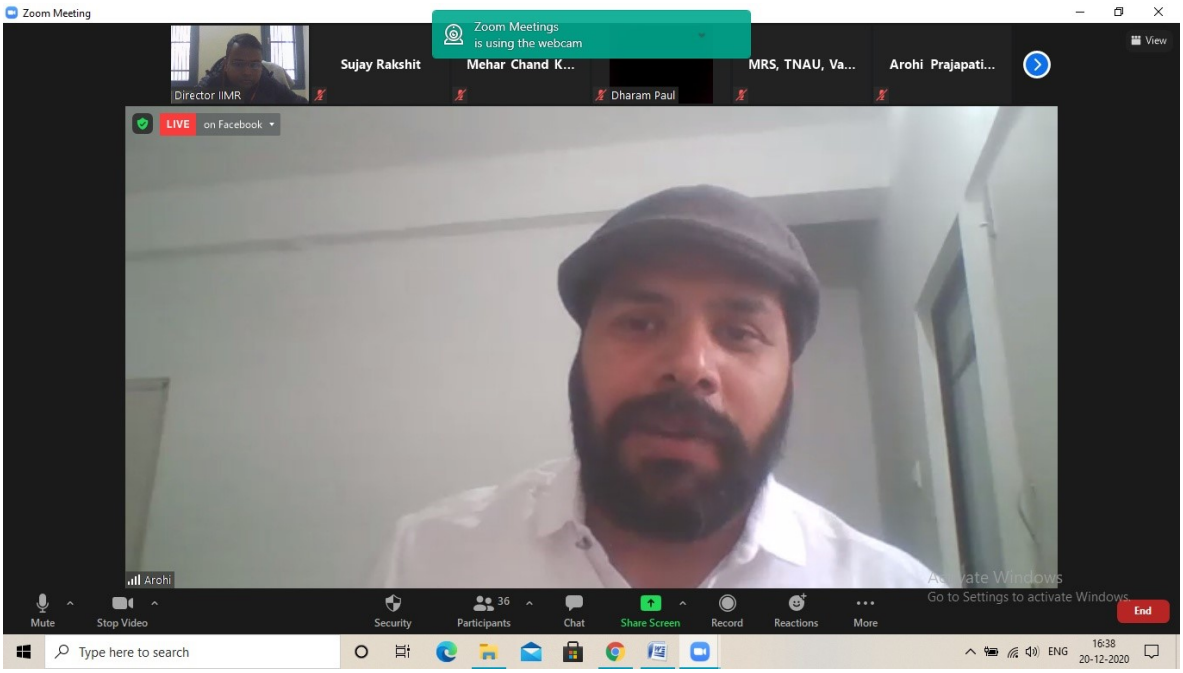

चित्र : श्री पंकज मॉल, सीईओ, अस्तित्व फाउण्डेशन द्वारा स्वच्छ भारत पर विशेष व्याख्यान की प्रस्तुति

चित्र : स्वच्छता पखवाड़े की कुछ झलकियां

किसान दिवस

दिनांक 23 दिसम्बर, 2020 को संस्थान में किसान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर देश के विकास में किसानों के महत्व और उनकी भूमिका की सराहना की गई। संस्थान द्वारा विकसित उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया गया। किसानों के साथ मक्का खेती की वैज्ञानिक विधियों और कीटों-नाशीजीवों और रोगों की रोकथाम पर चर्चा की गई। आरएमआर एंड एसपीसी, बेगुसराय में भी किसान दिवस मनाया गया जिसमें 40 से भी अधिक किसानों ने भाग लिया। इस अवसर पर, शीतकालीन नर्सरी केन्द्र, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद द्वारा किसानों को बीजों व तकनीकी बुलेटिन का वितरण किया गया। संस्थान की दिल्ली इकाई द्वारा किसान दिवस के उपलक्ष्य में एक वर्च्युल बैठक आयोजित की गई।

चित्र : किसान दिवस के अवसर पर किसानों के साथ परस्पर बातचीत करते हुए भाकृअनुप –भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना के वैज्ञानिक

चित्र : किसान दिवस के अवसर पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए आरएमआर एंड एसपीसी, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, बेगुसराय के वैज्ञानिक

चित्र : डब्ल्यूएनसी, हैदराबाद में किसानों को बीजों व तकनीकी बुलेटिन का वितरण

प्रधानमंत्री – किसान सम्मान निधि कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

दिनांक 25 दिसम्बर, 2020 को पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर किसानों के खातों में प्रधानमंत्री – किसान सम्मान निधि का स्थानान्तरण किए जाने के अवसर पर किसानों के नाम भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सम्बोधन का सीधा प्रसारण किया गया। संस्थान के स्टाफ सदस्यों ने देश के विभिन्न भागों से किसानों के साथ माननीय प्रधानमंत्री की बातचीत को देखा।

चित्र : प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम की झलक

प्रमुख बैठकें

डॉ. सुजय रक्षित, निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना ने दिनांक 4 अगस्त, 2020 को बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर द्वारा ''जलवायु स्मार्ट कृषि में तनाव सहिष्णुता जैव प्रबलीकरण के लिए मक्का सुधार'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार में ''साइलेंट रेवोलुशन इन मेज - चैलेंजेज इन हैंड Silent Revolution in Maize – Challenges in Hand)'' विषय पर एक प्रस्तुतिकरण दिया।

एचटीएमए बैठक

डॉ. सुजय रक्षित, निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना तथा संस्थान के वैज्ञानिकों ने दिनांक 8 अक्तूबर, 2020 को ऑन-लाइन मोड में एचटीएमए बैठक में भाग लिया। इस बैठक में संस्थान में चल रहे एचटीएमए कार्यक्रम की प्रगति और भावी योजना पर चर्चा की गई।

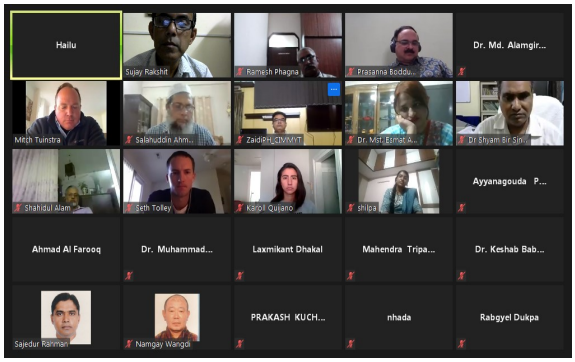

चित्र : एचटीएमए बैठक में चर्चा

भावी ईंधन की दिशा में राष्ट्रीय वेबीनार

डॉ. सुजय रक्षित, निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना एवं संस्थान के अन्य वैज्ञानिकों ने दिनांक 15 अक्तूबर, 2020 को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, लखनऊ द्वारा भावी ईंधन की दिशा में कदम विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार में भाग लिया जिसका आयोजन ऑन-लाइन रीति में किया गया था। डॉ. सुजय रक्षित ने विषय ''मक्का से इथानॉल – संभावनाएं एवं चुनौतियां'' पर एक वार्ता प्रस्तुत की। उन्होंने परिवर्तनशील जलवायु परिदृश्य के संदर्भ में इथानॉल उत्पादन के लिए मक्का का उपयोग करने के लाभ बताएं।

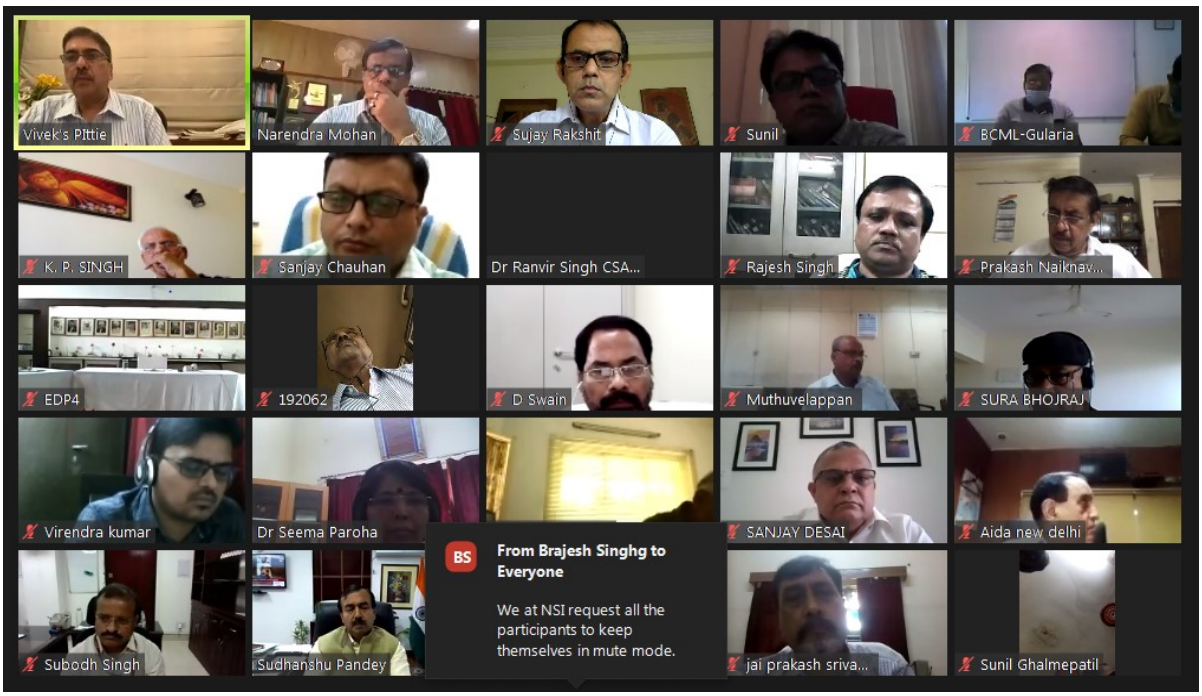

चित्र : राष्ट्रीय वेबीनार में प्रतिभागी

खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) द्वारा फॉल आर्मीवर्म (FAW) की रोकथाम पर वैश्विक कार्रवाई

डॉ. सुजय रक्षित, निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना द्वारा खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा फॉल आर्मीवर्म की रोकथाम के लिए की जाने वाली तकनीकी समिति में प्रतिनिधित्व किया जा रहा है तथा ऑन-लाइन बैठकों में प्रतिभागिता की गई। समिति के प्रमुख फोकस में शामिल विषय हैं : फॉल आर्मीवर्म वैश्विक कार्रवाई क्रियान्वयन, फॉल आर्मीवर्म प्रबंधन हेतु घटना आधारित युक्ति की इनवेन्ट्री, आईपीएम जिनेरिक पैकेज तैयार करना तथा आईपीपीसी बचाव दिशानिर्देश ।

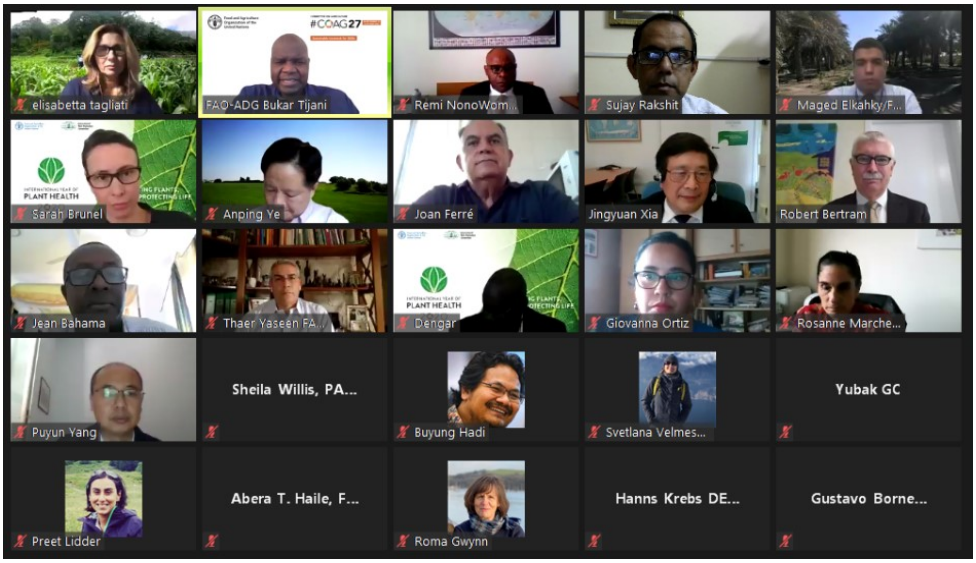

चित्र : फॉल आर्मीवर्म की रोकथाम के लिए वैश्विक कार्रवाई की तकनीकी समिति बैठक में प्रतिभागी

भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान कृषि-व्यवसाय इनक्यूबेशन (ABI) की बैठक

भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान ने कम्बोज बी फार्म, यमुना नगर तथा धर्मबीर फूड प्रोडक्ट प्रा. लि., दामला के साथ दिनांक 3 नवम्बर, 2020 को भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना में कृषि – व्यवसाय इनक्यूबेशन की बैठक आयोजित की गई। दोनों फर्म, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान के एबीआई केन्द्र के अंतर्गत स्टार्ट-अप के रूप में जुड़ीं हैं। इस बैठक में निर्णय किया गया कि संस्थान के कृषि व्यवसाय इनक्यूबेशन केन्द्र द्वारा प्रौद्योगिकियों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा तथा प्रौद्योगिकियों में सुधार किया जाएगा। इसके साथ ही संस्थान द्वारा फर्मों के व्यवसाय विकास हेतु व्यक्तिगत प्रशिक्षण/सहयोग प्रदान किया जाएगा।

संस्थान प्रबंधन समिति की बैठक

डॉ. सुजय रक्षित, निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना की अध्यक्षता में दिनांक 10 नवम्बर, 2020 को संस्थान प्रबंधन समिति की 13वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में वर्ष 2019-20 के लिए गैर-योजना, योजना तथा अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना बजट और अग्रिम की स्थिति पर चर्चा की गई। अन्य कार्यसूची मदों जिनमें लाडोवाल फार्म में चारदीवारी का निर्माण कार्य, प्रशासनिक भवन का निर्माण कार्य और क्षेत्रीय मक्का अनुसंधान एवं बीज उत्पादन केन्द्र (RMR & SPC), बेगुसराय के लिए हस्पतालों का इमपैनलमेन्ट, आदि को समिति द्वारा अनुमोदित किया गया।

चित्र : एबीआई केन्द्र, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान तथा कम्बोज बी फार्म एवं धर्मबीर फूड प्रोडक्ट प्रा.लि. के बीच समझौता हस्ताक्षर

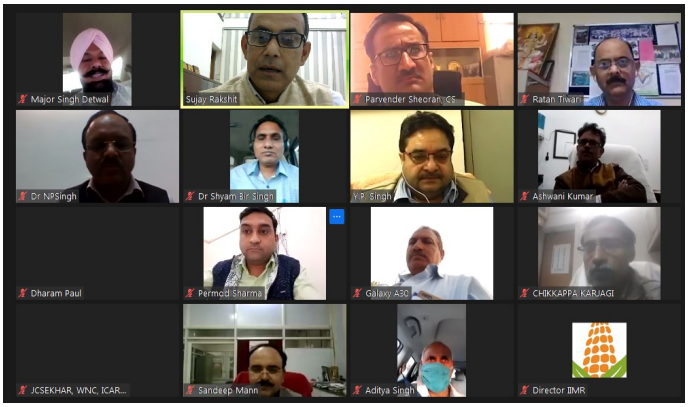

चित्र : संस्थान प्रबंधन समिति की बैठक में चर्चा

मक्का की मूल्य श्रृंखला पर भाकृअनुप – उद्योग समूह की बैठक

भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना द्वारा दिनांक 12 नवम्बर, 2020 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा विशेषकर मक्का आधारित अनेक उद्योग समूहों के बीच वर्च्युल मोड में एक बैठक का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता डॉ. टी.आर. शर्मा, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) तथा डॉ. के. अलगुसुन्दरम, उप महानिदेशक (अभियांत्रिकी), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने की। इस बैठक में डॉ. ए.के. सिंह, निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली; डॉ. के.के. सिंह, सहायक महानिदेशक (फार्म अभियांत्रिकी), भाकृअनुप; डॉ. नचिकेत कोटकोटिवाले, निदेशक, भाकृअनुप – केन्द्रीय कटाई उपरांत अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना की गरिमामयी उपस्थिति भी बनी रही। साथ ही इस बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न संस्थानों यथा भाकृअनुप – केन्द्रीय कटाई उपरांत अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना; भाकृअनुप – केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल; भाकृअनुप – राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी, हैदराबाद, आदि और साथ ही मक्का आधारित अनेक उद्योगों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अतिथिगणों ने इस बात पर बल दिया कि खाद्य व चारे के लिए और साथ ही विभिन्न खाद्य एवं गैर खाद्य प्रसंस्करण तथा मूल्य संवर्धन उद्योगों के लिए कच्ची सामग्री के रूप में मक्का की मांग बढ़ रही है। अतिथिगणों ने उत्पादों की अप-स्केलिंग जो कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद संस्थानों के पास पहले से उपलब्ध है, के कार्य में उद्योग समूहों से आगे आने का अनुरोध किया ।

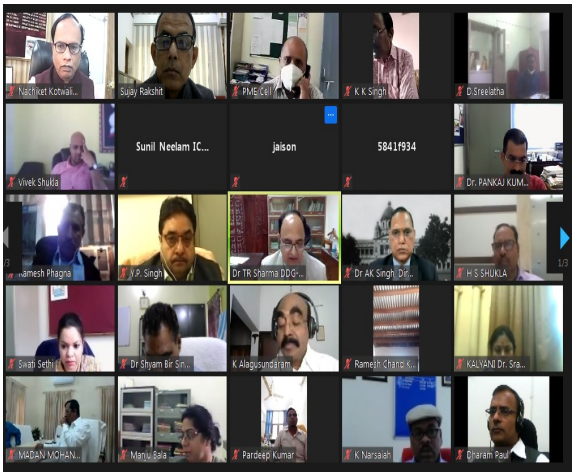

चित्र : भाकृअनुप – उद्योग समूह की बैठक के दौरान प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करते हुए प्रतिभागी

संस्थान की जैव-संरक्षा समिति (IBSC) की बैठक

संस्थान की जैव-संरक्षा समिति (IBSC) की बैठक का आयोजन दिनांक 28 दिसम्बर, 2020 को ऑन-लाइन माध्यम से किया गया। इस बैठक में डॉ. सुजय रक्षित, अध्यक्ष; डॉ. प्रवीन चुनेजा, अध्यक्ष, जैव प्रौद्योगिकी, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग के नामिती; डॉ. अमृता श्रीवास्तव, जैव-संरक्षा अधिकारी, भाकृअनुप – भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान; डॉ. मोनिका दलाल, प्रधान वैज्ञानिक, एनआईपीबी, नई दिल्ली एवं बाह्य विशेषज्ञ; डॉ. चिकप्पा जी. करजागी, वैज्ञानिक, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान एवं सदस्य; तथा डॉ. कृष्ण कुमार, वैज्ञानिक, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान एवं सदस्य सचिव ने भाग लिया। समिति द्वारा जीएमओ/ एलएमओ को शामिल करते हुए चालू परियोजनाओं के जैव-संरक्षा संबंधी पहलुओं की समीक्षा की और उन्हें संतोषजनक पाया।

चित्र : संस्थान की जैव-संरक्षा समिति की बैठक के दौरान कार्यसूची मदों पर चर्चा करते हुए सदस्य

हिंदी गतिविधियाँ

हिंदी कार्यशाला

भा.कृ.अनु.प.- भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने तथा राजभाषा संबंधी अधिनियमों, नियमों एवं आदेशों की अनुपालन हेतु वर्ष 2020-21 में राजभाषा की ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन दिनांक 31 दिसम्बर, 2020 को किया गया जिसका शीर्षक: कृषि अनुसंधान एवं तकनीकियों को किसानों एवं अन्य-हितधारकों तक पहुचाने में हिंदी भाषा की भूमिका था। कार्यशाला में अतिथि वक्ता के रूप में श्री प्रभजीत सिंह (वरिष्ठ प्रबंधक एवं राजभाषा अधिकारी) पंजाब नेशनल बैंक, को आमंत्रित गया। कार्यशाला में संस्थान के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया। अतिथि वक्ता ने बताया कि किस प्रकार हम कार्यालय तथा दैनिक जीवन में हिंदी भाषा के अनुसंधान एवं विकसित तकनीकियों को किसानों एवं हितधारकों तक पहुचाने में हिंदी भाषा के महत्व के बारें में भी विस्तृत से जानकारी दी ।

हिंदी पखवाडा 2020

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना द्वारा दिनांक 14 से 28 सितम्बर, 2020 के दौरान कार्यालय में ऑन लाइन माध्यम से हिंदी पखवाडा मनाया गया। पखवाड़े का शुभारम्भ 14 सितम्बर हिंदी दिवस के दिन संस्थान निदेशक महोदय की उपस्थिति में ऑन लाइन माध्यम से किया गया। इस अवसर पर निदेशक महोदय ने सभी उपस्थित कर्मचारियों/अधिकारीयों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी एवं हिंदी भाषा के महत्व के बारे में बोलते हुए संस्थान के सभी अधिकारीयों/कर्मचारियों को सरकार द्वारा

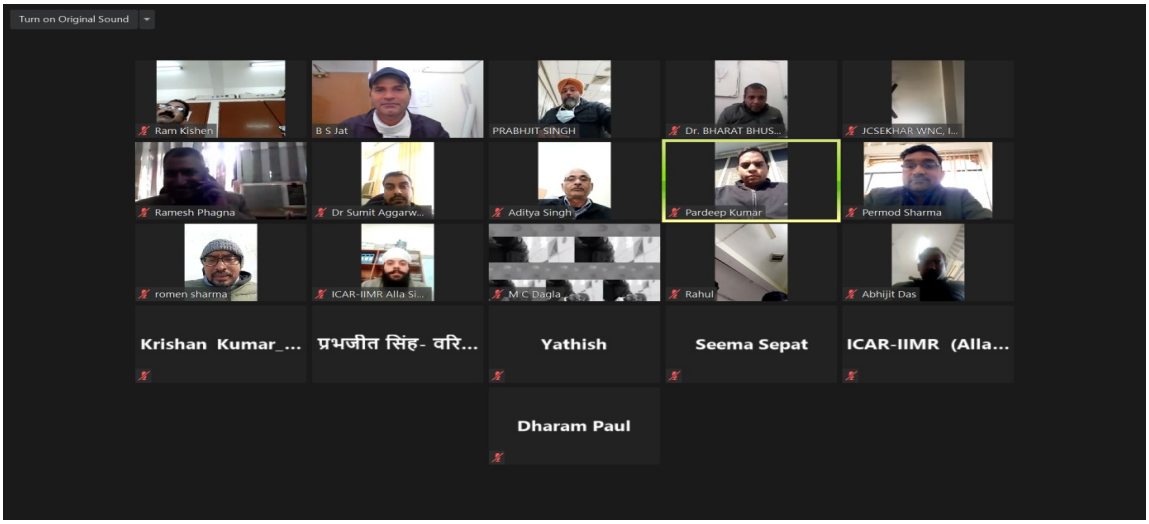

चित्र : कृषि अनुसंधान एवं तकनीकियों को किसानों एवं अन्य-हितधारकों तक पहुचाने में हिंदी भाषा की भूमिका विषय पर हिंदी कार्यशाला

समय-समय पर हिंदी भाषा से सम्बंधित जारी अध्यादेशों की पलना करने के साथ ही कार्यालय में ज्यादा से ज्यादा कार्य हिंदी में करने का आग्रह किया तथा साल भर होने वाले हिंदी भाषा के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर सही मायनों में हमें हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं इसकी उपयोगिता के बारें में लोगों को जागरूक बनाना चाहिए। इस वर्ष हिंदी पखवाड़े के दौरान कुल चार प्रतियोगिताएं- हिंदी टिप्पण व प्रारूप लेखन, आशुभाषण प्रतियोगिता, हिंदी निबंध प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन ऑन लाइन माध्यम से किया गया जिसमे संस्थान के सभी अधिकारीयों/ कर्मचारियों ने भाग लिया ।हिंदी पखवाड़े का समापन समारोह निदेशक महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 28 सितम्बर, 2019 को मनाया गया जिसमे संस्थान के सभी अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे। समारोह का शुभारम्भ निदेशक महोदय की अनुमति से राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य सचिव डॉ.बहादुर सिंह जाट ने समारोह में उपस्थित सभी कर्मचारियों का स्वागत करते हुए किया। समारोह में निदेशक महोदय ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में बोलते हुए सवर्प्रथम हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बधाई दी एवं हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के सदस्यों को हिंदी पखवाड़े को ऑनलाइन माध्यम से सुचारु ढंग से संचालन के लिए धन्यवाद दिया। संस्थान निदेशक ने जीवन में भाषा के महत्व के बारे बताते हुए कहा कि अपने विचारों की अभिव्यक्ति को व्यक्त करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति की अपनी भाषा होती है। भाषा ही एक ऐसा माध्यम है जो हमें एकता के सूत्र में बांधती है। हिंदी हमारी राजभाषा है और देश में अनेकता में एकता का स्वर हिंदी से ही गूंजता है। अतः हिंदी भाषा का सम्मान और उसकी गरिमा बनाये रखना हमारा कर्तव्य है। भले ही आज अंग्रेजी भाषा का ज्ञान होना जरुरी है लेकिन सफलता पाने के लिये हमें अपनी राष्ट्रभाषा को कभी नही भूलना चाहिये। क्योकि हमारे देश की भाषा और हमारी संस्कृति हमारे लिये बहुत मायने रखती है।

समारोह के अंत में प्रधान वैज्ञानिक डॉ. जे. सी. शेखर ने हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह में उपस्थित संस्थान परिवार के सभी सदस्यों, आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं संयोजक का धन्यवाद ज्ञापन किया। हिंदी पखवाड़ा से संबंधित समारोह का मंच संचालन तथा सभी प्रतियोगिताओं का समन्वयन डॉ. बहादुर सिंह जाट वैज्ञानिक एवं सदस्य सचिव, राजभाषा द्वारा किया गया।

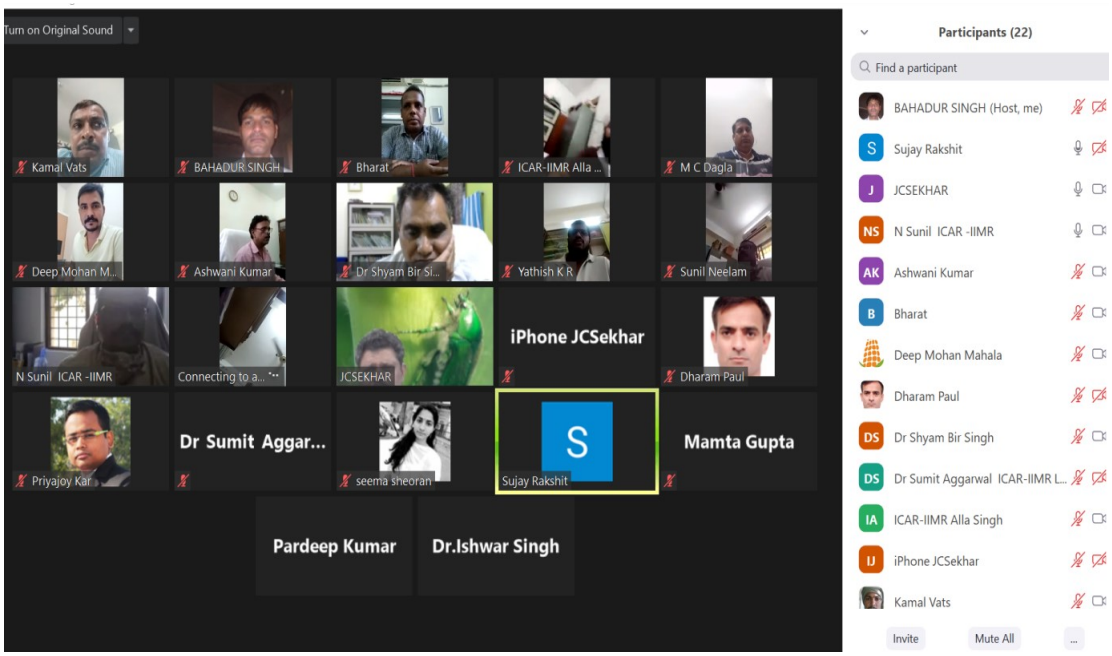

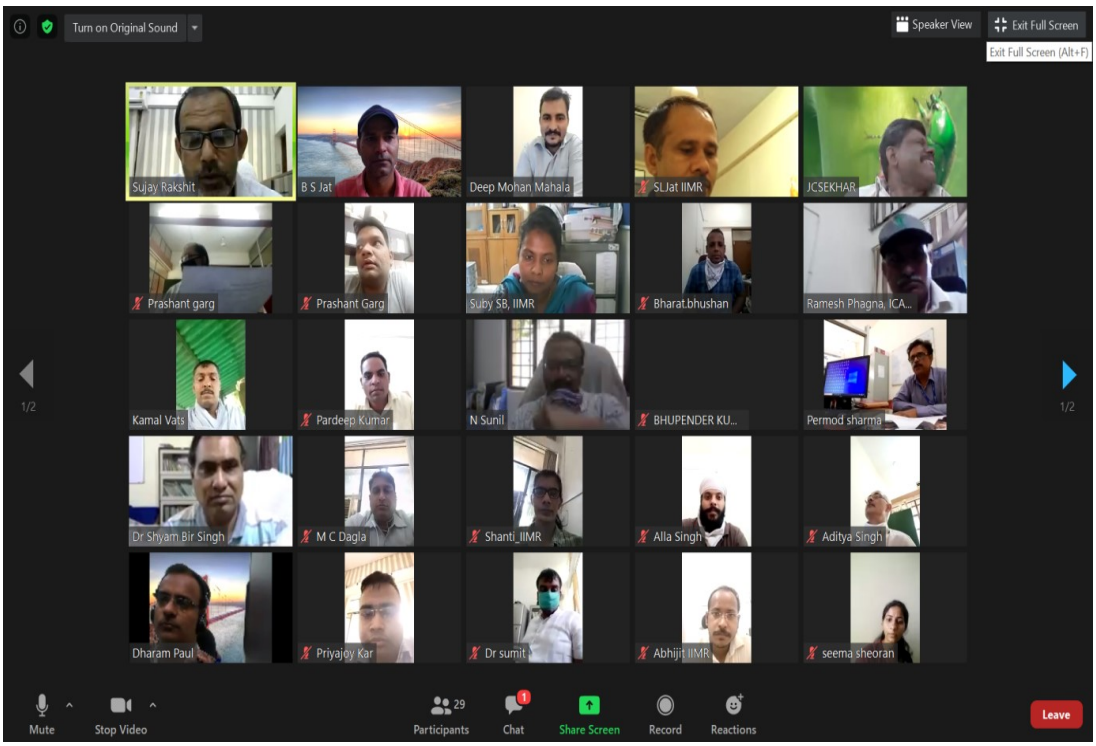

चित्र : हिंदी पखवाड़े में उपस्थित कर्मचारि/अधिकारी

संस्थान में आयोजित हिंदी पखवाडा (14-28 सितम्बर, 2020) कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत प्रतिभागियों के नाम एवं पुरस्कार राशि का विवरण

क्र.स.	प्रतियोगिता का नाम	विजेता का नाम	पुरस्कार
1.	हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता (प्रशासनिक, तकनीकी एवं कुशल सहायी स्टाफ वर्ग के लिए)	श्री.प्रशांत गर्ग	प्रथम
		श्री.रामकिशन	द्वितीय
		श्री.धर्मवीर सिंह	तृतीय
2.	आशुभाषण प्रतियोगिता (सभी वर्गों के लिए)	डॉ.शंकर लाल जाट	प्रथम
		डॉ.आला सिंह	द्वितीय
		डॉ.भारत भूषण	तृतीय
3.	हिंदी निबंध प्रतियोगिता **शीर्षक** : नारी शिक्षा का महत्व (सभी वर्गों के लिए)	सुश्री सीमा श्योराण	प्रथम
		डॉ. भारत भूषण	द्वितीय
		डॉ. ममता गुप्ता	तृतीय
4.	हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (सभी वर्गों के लिए)	डॉ.प्रदीप कुमार	प्रथम
		श्री. दीप मोहन महला	द्वितीय
		डॉ.भारत भूषण	तृतीय
5.	वर्ष 2019-20 के दौरान संस्थान में हिंदी में सर्वाधिक कार्य हेतु नकद पुरस्कार (सभी वर्गों के लिए)	श्री.धर्मवीर सिंह	प्रथम
		डॉ.एस.बी.सिंह	प्रोत्साहन

प्रसार एवं आउटरिच

मक्का पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना का प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 5 – 6 अगस्त, 2020 को मक्का पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के समन्वय सेल द्वारा एक ऑन-लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस ऑन-लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में देशभर में स्थित विभिन्न अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना केन्द्रों से कुल मिलाकर 110 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। पादप प्रजनन, सस्यविज्ञान, कीटविज्ञान एवं पादप रोगविज्ञान सहित विभिन्न विषयों के प्रधान अन्वेषकों द्वारा अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना परीक्षणों में दर्ज आंकड़ों के संबंध में व्याख्यान प्रस्तुत किए। इसके अलावा, विशेषज्ञों द्वारा मूल्य वर्धन, विभिन्न रोगों के लिए टीका अथवा संरोपण तकनीकों तथा संरक्षित कृषि के महत्व पर व्याख्यान प्रस्तुत किए गए।

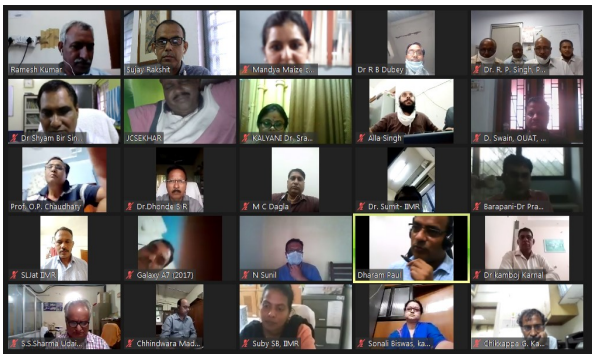

चित्र : अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलक

हिमाचल प्रदेश में फॉल आर्मीवर्म (FAW) पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना द्वारा चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय (CSK HPKV), पालमपुर, हिमाचल प्रदेश के साथ सहयोग करते हुए दिनांक 7 अगस्त, 2020 को "हिमाचल प्रदेश में फॉल आर्मीवर्म (FAW) का प्रबंधन" विषय पर एक दिवसीय ऑन-लाइन जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 70 से भी अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, भाकृअनुप संस्थानों के वैज्ञानिक, एसएमएस, प्रसार अधिकारी, राज्य कृषि विभाग के एडीओ और छात्र शामिल थे।

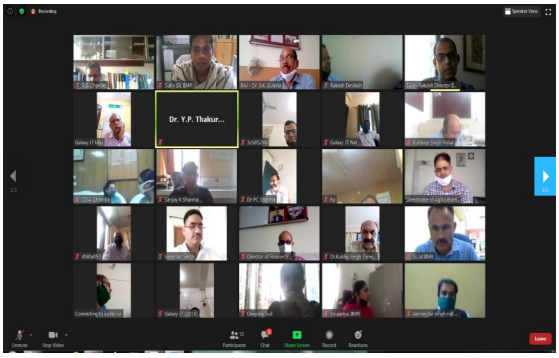

चित्र : हिमाचल प्रदेश में फॉल आर्मीवर्म (FAW) पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

जम्मू व कश्मीर में फॉल आर्मीवर्म (FAW) के प्रबंधन पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना द्वारा शेरे कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (SKUAST), श्रीनगर, जम्मू व कश्मीर के साथ सहयोग करते हुए दिनांक 18 अगस्त, 2020 को "जम्मू व कश्मीर में फॉल आर्मीवर्म (FAW) का प्रबंधन" विषय पर एक दिवसीय ऑन-लाइन जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 55 से भी अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, राज्य विभागों में कार्यरत स्टाफ सदस्य शामिल थे।

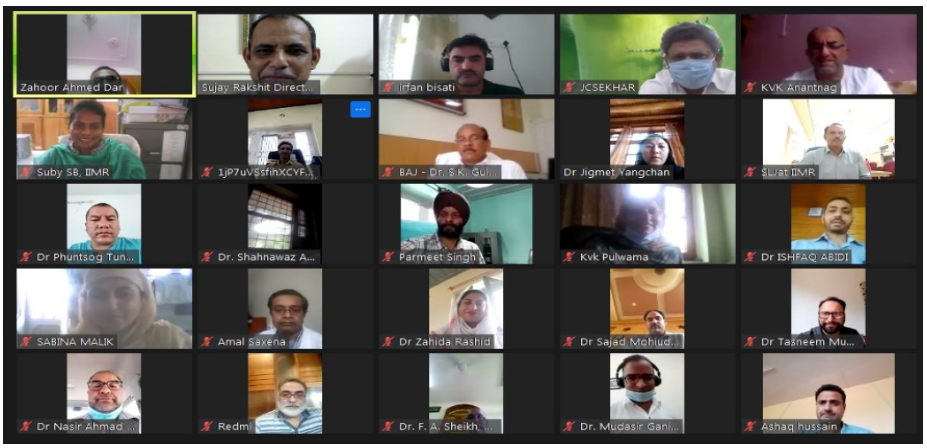

चित्र : जम्मू व कश्मीर में फॉल आर्मीवर्म के प्रबंधन पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागी

प्रसार अधिकारियों व वैज्ञानिकों के लिए तकनीकी वेबीनार एवं प्रशिक्षण

दिनांक 18 सितम्बर, 2020 को "फॉल आर्मीवर्म के विशेष संदर्भ में मक्का फसल के लिए एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन" विषय पर एक दिवसीय ऑन-लाइन तकनीकी वेबीनार सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 60 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिनमें महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा ओडिशा से राज्य विभागों के कृषि प्रसार अधिकारी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद/कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से वैज्ञानिकगण शामिल थे। इसी प्रकार एक अन्य एकदिवसीय ऑन-लाइन तकनीकी वेबीनार सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन एफएओ परियोजना के अंतर्गत दिनांक 10 सितम्बर, 2020 को एफएओ इंडिया और भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना द्वारा "उत्तर पश्चिमी पर्वतीय क्षेत्र में फॉल आर्मीवर्म के विशेष संदर्भ में मक्का फसल के लिए एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन" विषय पर किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर पश्चिमी पर्वतीय क्षेत्र के राज्य विभागों से कृषि प्रसार अधिकारियों तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों सहित कुल 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रसार अधिकारियों के लिए एक दिवसीय ऑन-लाइन तकनीकी वेबीनार

एफएओ परियोजना "भारत में फॉल आर्मीवर्म की अगेती चेतावनी एवं निगरानी तथा टिकाऊ प्रबंधन में सहायता देने हेतु समय पर महत्वपूर्ण उपाय करना" के अंतर्गत दिनांक 15 अक्तूबर, 2020 को "राजस्थान, गुजरात और हरियाणा राज्य के विशेष संदर्भ में मक्का फसल के लिए एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन" पर एक दिवसीय ऑन-लाइन वेबीनार सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में उपरोक्त वर्णित राज्यों से राज्य विभागों के कृषि प्रसार अधिकारियों तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपरोक्त राज्यों से कुल 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अनेक विशेषज्ञों ने ऑन-लाइन मोड में कार्यक्रम में भाग लेकर अपने अनुभव साझा किए।

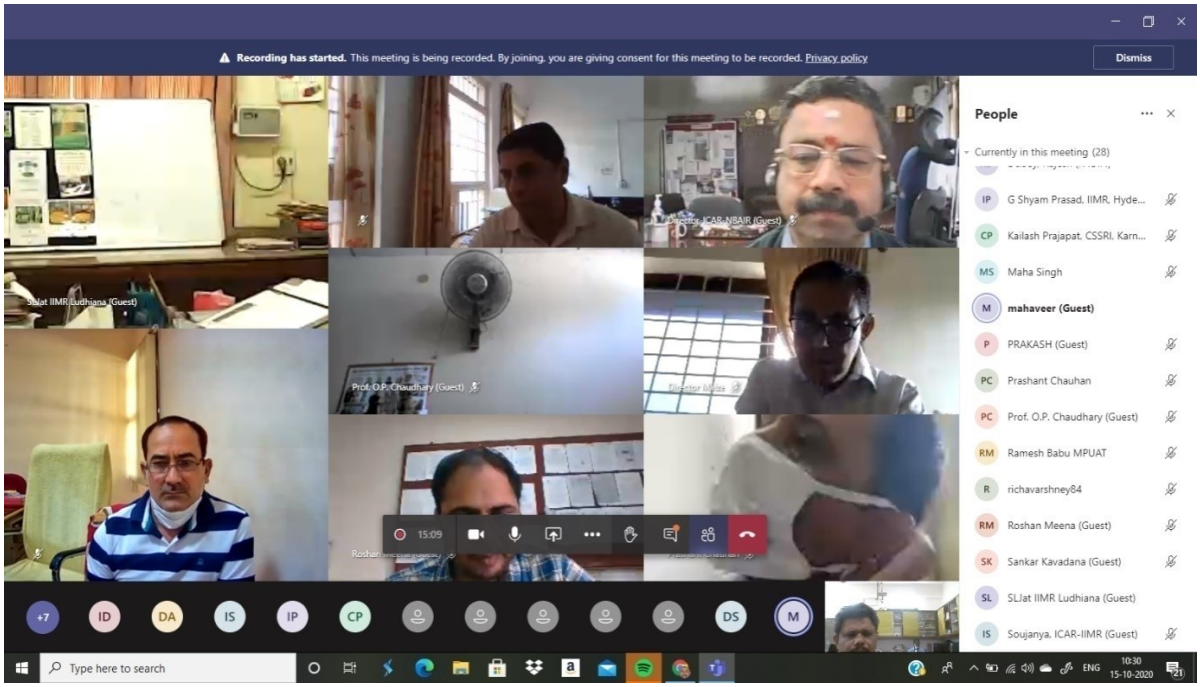

चित्र : प्रसार अधिकारियों व किसानों के लिए ऑन-लाइन तकनीकी वेबीनार एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

बीज उत्पादन तकनीकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 6 नवम्बर, 2020 को आरएमआर एंड एसपीसी, बेगुसराय, बिहार में मेगा बीज परियोजना के तहत "एकल क्रास मक्का संकर बीज उत्पादन" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । इसमें बिहार राज्य बीज निगम के अधिकारियों व स्टाफ सदस्यों, बेगुसराय एवं निकटवर्ती जिलों के बारह किसानों ने भाग लिया।

चित्र : प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलक

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागिता

वैज्ञानिक का नाम	प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसमें प्रतिभागिता की गई	आयोजन स्थल	दिनांक
डॉ. एस.बी. सिंह डॉ. के.आर. यतीश	फॉल आर्मीवर्म के विशेष संदर्भ में मक्का फसल के लिए एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा प्रशिक्षण	21 – 22 जुलाई, 2020
डॉ. सीमा शियोरन	R का उपयोग करके परीक्षणात्मक डाटा का विश्लेषण	भाकृअनुप – राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी, हैदराबाद	5 – 11 अगस्त, 2020
	वैज्ञानिक लेखन की एबीसी	भाकृअनुप – राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक	18 अगस्त से 2 सितम्बर, 2020
डॉ. रमेश कुमार डॉ. आला सिंह	बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर ऑन लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	एनएएचईपी (भाकृअनुप)	9 से 28 सितम्बर, 2020
डॉ. सीमा शियोरन	एसएएस का उपयोग करके परीक्षणात्मक डाटा का विश्लेषण	भाकृअनुप – राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी, हैदराबाद	9 से 17 नवम्बर, 2020
डॉ. पीएच. रोमेन शर्मा	कृषि जिंसों का बाजार अनुसंधान एवं मूल्य श्रृंखला प्रबंधन	भाकृअनुप – राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी, हैदराबाद	17 से 21 नवम्बर, 2020
डॉ. ममता गुप्ता डॉ. आला सिंह	ऑन-लाइन नैनो टैक्नोलॉजी प्रशिक्षण	भाकृअनुप – केन्द्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मुम्बई	23 – 27 नवम्बर, 2020
श्री प्रमोद शर्मा श्री अश्विनी कुमार	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के प्रशासनिक एवं वित्तीय अधिकारियों के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रबंधन	भाकृअनुप – राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी, हैदराबाद	23 – 27 नवम्बर, 2020
डॉ. जे.सी. शेखर	नेतृत्व विकास पर एमडीपी (एक पूर्व आरएमपी कार्यक्रम)	भाकृअनुप – राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी, हैदराबाद	8 – 19 दिसम्बर, 2020

आयोजित प्रशिक्षण

वैज्ञानिक का नाम	प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसमें प्रतिभागिता की गई	शामिल संस्थान/संगठन	दिनांक
डॉ. जे.सी. शेखर डॉ. सुजय रक्षित	फॉल आर्मीवर्म के विशेष संदर्भ में मक्का फसल के कीट नाशीजीवों का प्रबंधन	एफएओ, सिम्मट, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, भाकृअनुप – राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, भाकृअनुप – अटारी, डीपीपीक्यू एंड एस	21 – 22 जुलाई, 2020
डॉ. जे.सी. शेखर डॉ. पी.एल. सौजन्या डॉ. एस.बी. सुबी डॉ. एस.एल. जाट डॉ. सुजय रक्षित	"हिमाचल प्रदेश में फॉल आर्मीवर्म का प्रबंधन" पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना	7 अगस्त, 2020
	'फॉल आर्मीवर्म का प्रबंधन" विषय पर ऑन लाइन जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम	भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना	18 अगस्त, 2020
	राजस्थान के बूंदी एवं कोटा जिलों के किसानों व अधिकारियों के लिए फॉल आर्मीवर्म पर जागरूकता बैठक	भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना	1 सितम्बर, 2020
डॉ. जे.सी. शेखर डॉ. सुजय रक्षित	पूर्वोत्तर पर्वतीय क्षेत्र में फॉल आर्मीवर्म के विशेष संदर्भ में मक्का फसल में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन	खाद्य एवं कृषि संगठन, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, भाकृअनुप – पूर्वोत्तर पर्वतीय तथा डीपीपीक्यू एंड एस	4 सितम्बर, 2020

वैज्ञानिक का नाम	प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसमें प्रतिभागिता की गई	शामिल संस्थान/संगठन	दिनांक
डॉ. जे.सी. शेखर डॉ. एस.एल. जाट डॉ. सुजय रक्षित	उत्तर पश्चिमी पर्वतीय क्षेत्र में फॉल आर्मीवर्म के विशेष संदर्भ में मक्का फसल में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन	खाद्य एवं कृषि संगठन, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, शेरे कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, श्रीनगर एवं डीपीपीक्यू एंड एस	10 सितम्बर, 2020
	महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा ओडिशा राज्य में फॉल आर्मीवर्म के विशेष संदर्भ में मक्का फसल में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन	खाद्य एवं कृषि संगठन, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, भाकृअनुप – राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, भाकृअनुप – भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान तथा डीपीपीक्यू एंड एस	18 सितम्बर, 2020
	पूर्वोत्तर मैदानी क्षेत्र में फॉल आर्मीवर्म के विशेष संदर्भ में मक्का फसल में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन	खाद्य एवं कृषि संगठन, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, भाकृअनुप – राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, भाकृअनुप – भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान तथा डीपीपीक्यू एंड एस	9 अक्तूबर, 2020
	राजस्थान, गुजरात व हरियाणा राज्य में फॉल आर्मीवर्म के विशेष संदर्भ में मक्का फसल में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन	खाद्य एवं कृषि संगठन, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, भाकृअनुप – राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, भाकृअनुप – भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान तथा डीपीपीक्यू एंड एस	15 अक्तूबर, 2020
डॉ. एस.बी. सिंह	बिहार राज्य बीज निगम के अधिकारियों व स्टाफ सदस्यों तथा किसानों के लिए 'एकल क्रास मक्का संकर बीज उत्पादन तकनीक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	क्षेत्रीय मक्का अनुसंधान एवं बीज उत्पादन केन्द्र (RMR & SPC), बेगुसराय, बिहार	6 नवम्बर, 2020

पुरस्कार एवं मान्यता

- भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना को दिनांक 16 जुलाई, 2020 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 92वें स्थापना दिवस समारोह में वर्ष 2019 के लिए चौधरी देवी लाल उत्कृष्ट अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना पुरस्कार प्रदान किया गया।
- राजभाषा के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के प्रयास स्वरुप भा.कृ.अनु.प.- भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना द्वारा प्रकाशित वार्षिक हिंदी पत्रिका "कृषि चेतना" 2020 अंक-3 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, लुधियाना द्वारा सम्मानित किया गया ।
- डॉ. अभिजीत कुमार दास तथा डॉ. डी.पी. चौधरी ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग – एसईआरबी से रूपये 39.83 लाख की लागत वाली बाह्य वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजना " *ae1* युग्मविकल्पी के मार्कर सहायतार्थ अन्तर्गमन के माध्यम से प्रतिरोधी स्टार्च से समृद्ध मक्का संकरों का विकास एवं उच्च एमाइलोज जननद्रव्य का विविधीकरण" प्राप्त की।
- डॉ. ईश्वर सिंह को वर्ष 2020-2021 के लिए इंडियन सोसायटी फॉर प्लांट फिजियोलॉजी (ISPP), नई दिल्ली का उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया।
- डॉ. एस.बी. सिंह, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. भूपेन्द्र कुमार, डॉ. एस.एल. जाट तथा श्री प्रियाजॉय कार ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग से रूपये 279 लाख लागत वाली बाह्य वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजना "टिकाऊ पोषणिक सुरक्षा के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र के विशेष संदर्भ में हिमालयी राज्यों एवं मध्य भारत में जैव संवर्धित मक्का संकरों को लोकप्रिय करना" प्राप्त की।
- डॉ. एस.बी. सिंह को दिनांक 28 – 30 दिसम्बर, 2020 को टिकाऊ कृषि एवं सम्बद्ध विज्ञान के लिए वैश्विक अनुसंधान पहल (GRISAAS-2020) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेब सम्मेलन में सोसायटी फॉर साइंटीफिक डेवलेपमेन्ट इन एग्रीकल्चर एंड टैक्नोलॉजी का 'फेलो पुरस्कार 2020" प्रदान किया गया।
- डॉ. एस.बी. सिंह को दिनांक 28 – 30 दिसम्बर, 2020 को टिकाऊ कृषि एवं सम्बद्ध विज्ञान के लिए वैश्विक अनुसंधान पहल (GRISAAS-2020) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेब सम्मेलन में विषय 3 यथा वैश्विक जलवायु परिवर्तन : परिदृश्य एवं खाद्य सुरक्षा के तहत "सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुतिकरण पुरस्कार" प्रदान किया गया।
- डॉ. एस.बी. सिंह को भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान में वर्ष 2019-20 के लिए राजभाषा हिन्दी में सर्वाधिक कार्य करने के लिए द्वितीय प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।
- डॉ. एस.बी. सिंह को वर्ष 2019-20 की अवधि के लिए सोसायटी फॉर साइंटीफिक डेवलेपमेन्ट इन एग्रीकल्चर एंड टैक्नोलॉजी, मेरठ, उत्तर प्रदेश का उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

व्याख्यान/टीवी/रेडियो वार्ता

वैज्ञानिक	प्रस्तुत वार्ता की संख्या
डॉ. सुजय रक्षित	3
डॉ. जे.सी. शेखर	7
डॉ. एस.बी. सिंह	7
डॉ. एस.एल. जाट	14
डॉ. पी.एल. सौजन्या	7
डॉ. एस.बी. सुबी	7
डॉ. आला सिंह	1

नया कार्यभार ग्रहण/स्थानान्तरण/सेवानिवृत्ति

डॉ. पीएच. रोमेन शर्मा वैज्ञानिक (कृषि प्रसार शिक्षा)

डॉ. पीएच. रोमेन शर्मा, वैज्ञानिक (कृषि प्रसार शिक्षा) का स्थानान्तरण भाकृअनुप – पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए भाकृअनुप का अनुसंधान परिसर, उमियाम, मेघालय से भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना में किया गया।

डॉ. सीमा सेपट, वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान)

डॉ. सीमा सेपट, वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान) का स्थानान्तरण भाकृअनुप – भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली से भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना में किया गया।

संकलन एवं सम्पादन:

डॉ. डी.पी. चैधरी, डॉ. ए.के. दास, डॉ. बी. एस. जाट, डॉ. पीएच. रोमेनशर्मा डॉ. आलासिंह एवं शान्ति देवी बम्बोरिया

प्रकाषित

डॉ. सुजय रक्षित, निदेषक,

भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान

(आईएसओ 9001: 2008 प्रमाणित संस्थान)

पीएयू कैम्पस, लुधियाना - 141 004

फोन: 0161.2440048; फैक्स: 0161.2430038

ई-मेल: pdmaize@gmail.com |

director.maize@icar.gov.in

वेबसाइट: www.iimr.icar.gov.in

भामअनुसं
IIMR

भाकृअनुप
ICAR